(b) if so, the extent to which the prices of industrial products have been affected due to this?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) No, Sir. No such assessment has been made since 1st October, 1958. But an assessment was made prior to the introduction of the revised rates structure, and two statements are laid on the Table of the House, showing the incidence of the increase in freight on the prices of certain selected industrial products, as evaluated at that time. [*See* Appendix III, annexure No. 88.]

In the first statement, the increase in freight on the finished goods only has been taken into consideration, while in the second, which covers three industrial products, the increase in freight for the raw materials also has been taken into account.

(b) It is not possible to say to what extent prices have actually been affected.

सार्वजनिक टेलीफोन घर

११७९. **श्री भक्त दर्शन :** क्या परिवहन तथा संचार मन्त्री २५ फरवरी, १९५८ के अताराकित प्रश्न सख्या ५४७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश में किन-किन स्थानो पर इस बीच सार्वजनिक टेलीफोन-घर खोले गये है ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री स० का० पाटिल) : अभी तक निम्नलिखित सार्वजनिक टेलीफोन-घर खोले गये है :—

१ औराय
२. छटमलपुर
३ चिरगाव
४ दोघाट
५. दोमरियागंज
६. होलीपुरा
७. खम्मरिया
८ खातिमा
९. मौर्याहु
१० मोठ
११ पटियाली
१२ शाहपुर
१३. सितारगज
१४. टनकपुर

यात्रियों के लिये सुविधायें

११८०. **श्री भक्त दर्शन :** क्या रेलवे मंत्री १५ नवम्बर, १९५६ के अताराकित प्रश्न संख्या ५५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे में रेलवे उपभोक्ताओं की सुविधाओ मे वृद्धि करने की जो योजनायें विचाराधीन थी उन में से कौन कौन सी १९५६-५७ व १९५७-५८ के वर्ष मे वास्तव में कार्यान्वित की गयीं ;

(ख) १९५८-५९ के वित्तीय वर्ष के लिये इस प्रकार की कौन कौन सी सुविधायें कहा-कहां पर देने का विचार है ; और

(ग) उन में से प्रत्येक पर कितना-कितना धन व्यय होने का अनुमान है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) १९५६-५७ और १९५७-५८ में विभिन्न स्टेशनों पर जो काम किये गये उन की सूची अनुबन्ध 'क' में दी गई है [पुस्तकालय में रखी गई । देखिये अनुक्रमणिका संख्या एल० टी० ११०५/५८]

(ख) १९५८-५९ मे विभिन्न स्टेशनों पर जो काम करने का विचार है, उस की सूची अनुबन्ध में दी गई है । [पुस्तकालय में रखी गई । देखिये अनुक्रमणिका संख्या एल० टी० ११०५/५८]

(ग) हर काम का अनुमानित खर्च उस के सामने दिया गया है ।